



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

हरि भूमि

7-12-23

12

3-7

## हकृवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

# विदेशी मेहमानों ने दिया वसुधैव कुटुम्बकम् का नार

हरिभूमि न्यूज ► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के



हिसार। हकृवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित विदेशी मेहमान व कलाकार तिरंगा लहराते हुए।

कलाकारों ने कथक, सूफी, भंगड़ा, फॉक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू

करवाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए

## विदेशी मेहमानों ने लहराया तिरंगा

कार्यक्रम की शुरुआत में देश व विदेश के संस्थानों से आए मेहमानों विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देकर शपथ दिलाई गई, जिसके बाद खेत्रिका ने बॉलीवुड गानों पर थिरकर सभी का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र कलाकार महावीर गुड्डू उनकी टीम द्वारा शिव स्तुति पर नृत्य रहा, जिसके बाद उन्होंने किसानों व समृद्धि, सावन व फागन ऋतुओं की विशेषताओं को डांस के जरिए पेश कर सभी से वाही-वाही लूटी। हकृवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों ने हाथों में तिरंगा थामकर वसुधैव-कुटुम्बकम् के नारे को पूरक करते हुए पूरे विश्व-एक परिवार का संदेश दिया, जोकि मुख्य आकर्षण का केंद्र बना।

एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा, जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाबुरक सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने

हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाबी गानों व नृत्यों का जमकर आनंद लिया। फोटो 6 एचएसआर 24 सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपने-अपने प्रस्तुतियां देते कलाकार।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

पंजाब केसरी

दिनांक

7-12-23

पृष्ठ संख्या

4

कॉलम

1-5



सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुतियां देते कलाकार।

## अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : भारतीय संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया

### छात्रा ने नैनो वाले छेड़ा मन का प्याला गाने के बोल पर नृत्य पेश कर बांधा समां

हिसार, 6 दिसम्बर (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर आयोजित 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कत्थक, सूफ़ी, भंगड़ा, फॉक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आई.पी.सी.सी. नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर व अमरीका



सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित विदेशी मेहमान व कलाकार तिरंगा लहराते हुए।

की टेक्सास एंज एम विश्वविद्यालय के संकाय फैलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा, जर्मनी से डॉ. डिटर एच. नुट्ज ओस्त्राबुक सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाबी गानों व नृत्यों का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में देश व विदेश के संस्थानों से आए

मेहमानों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देकर शपथ दिलाई गई, जिसके बाद खेत्रिका ने बॉलीवुड गानों पर थिरक कर सभी का मन मोह लिया। छात्रा रैनक ने नैनो वाले छेड़ा मन का प्याला गाने के बोल पर नृत्य पेश कर समां बांध दिया। इसके

बाद कलाकारों ने विदेशी मेहमानों को हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाब की संस्कृति, रहन-सहन, वेशभूषा से रूबरू करवाते हुए कई सांस्कृतिक गतिविधियों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। छात्र जतिन शर्मा ने गिटार बजाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम में डॉ. संध्या शर्मा ने अपनी

मधुर आवाज में लंबी जुदाई-यार दिलों का नामक गाना सुनाकर तालियां बंटेरी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र कलाकार महावीर गुड्डू व उनकी टीम द्वारा शिव स्तुति पर नृत्य रहा, जिसके बाद उन्होंने किसानों की समृद्धि, सावन व फागन ऋतुओं की विशेषताओं को डांस के जरिए पेश कर सभी से वाही-वाही लूटी।

हकूवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों ने हाथों में तिरंगा थामकर वसुधैव-कुटुम्बकम के नारे को पूरक करते हुए पूरा विश्व-एक परिवार का संदेश दिया, जोकि मुख्य आकर्षण का केंद्र बना। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच का संचालन छात्र अंकित व संतोष ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	7-12-23	12	2-6

## हकृवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

# जलवायु परिवर्तन मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा

असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा  
हरिभूमि न्यूज ►► हिंसार



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में बुधवार को वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. व्रुटज ओस्नाबुरक व जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो मौजूद रहे। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा।

असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्मों को उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि

### एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा

विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डॉ. डिटर एच. व्रुटज ओस्नाबुरक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय बताए व फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

### डॉ. गेरा ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट पेश की

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. जीतराम शर्मा ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही मंच संचालन डॉ. जयति टोकस ने किया। इस अवसर पर डॉ. आर के बहल डॉ. साईदास, डॉ. देवकी नंदन, डॉ. अनिता भट्टनागर, डॉ. अनिता दूआ व डॉ. बीके शर्मा सहित देश-विदेश के संस्थानों से आए प्रख्यात वैज्ञानिक व शोधार्थी मौजूद रहे।

भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए मृदा के ऑर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही मिलाना, क्लाइमेट स्मार्ट तकनीक जिसमें टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई, प्रिशिजन खेती,

आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, लेजर लेवलिंग, जीरो टिलेज व ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा में न केवल भोजन की उपलब्धता शामिल है बल्कि इसकी पोषण गुणवत्ता भी शामिल है।

### विजेताओं को दिया सम्मान

►► थीम-1 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- डॉ. रितु, सीसीएसएचएयू, हिंसार; द्वितीय पुरस्कार- डॉ. गीतिका .सरहंदा, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला

►► पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- सिमरन गुप्ता, दयाल बाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा; द्वितीय पुरस्कार- अदिली, सीसीएसएचएयू, हिंसार

►► थीम-2 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- डॉ. चित्रा जी भट्ट, सीसीएसएचएयू, हिंसार; द्वितीय पुरस्कार- तुषादरी सिंह, जीबी पंत यूनिवर्सिटी, पंतनगर व चारुलता, आईआईडब्ल्यूबीआर, शिमला

►► पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार पीएयू, लुधियाना के शाइला बिन्दा व जतिन शर्मा; द्वितीय पुरस्कार- इशान मुखर्जी, सीसीएसएचएयू, हिंसार व सधान देबनाथ, यूमीयम, मेघालय

►► थीम-3 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- पुजा रावत, सीसीएसएचएयू, हिंसार; द्वितीय पुरस्कार- स्वतंत्र कुमार दुबे, इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, वाराणसी ने प्राप्त किया

►► पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- सुमंत्रा आर्य, सीसीएसएचएयू, हिंसार; द्वितीय पुरस्कार- सरिता रानी, सीसीएसएचएयू, हिंसार

►► थीम-4 -मौखिक प्रस्तुति: प्रथम

पुरस्कार- सौरभ सुमन, आईसीएआर, आईएआरआई, नई दिल्ली,

►► द्वितीय पुरस्कार: दीपशिखा मंडल, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली

►► पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- पीएयू, लुधियाना के तेनजिन; जबकि द्वितीय पुरस्कार- केवीके पंचकुला के राजेश लाठर

►► थीम-5 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सीसीएसएचएयू, हिंसार की डॉ. जतेश काठपालिया ने प्राप्त किया

►► पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- एगीकल्चर एक्सटेंशन एजुकेशन, सीसीएसएचएयू, हिंसार के अरुलमनिकंदन ने जबकि द्वितीय पुरस्कार एपरल एंड टेक्सटाइल साइंस, सीसीएसएचएयू, हिंसार की गुंजन ने प्राप्त किया

►► थीम-6 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर से के सिद्धार्थ ने प्राप्त किया।

►► पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कोम्यूनिकेशन मैनेजमेंट, सीसीएसएचएयू, हिंसार की वरिका श्रीवास्तव ने जबकि द्वितीय पुरस्कार दिल्ली टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, दिल्ली की अनोशा काठपालिया ने प्राप्त किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्चार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	7-12-23	5	1-3



हिसार के हकूवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित विदेशी मेहमान व कलाकार तिरंगा लहराते हुए। -हप

## अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: विदेशी मेहमानों ने तिरंगा थाम दिया वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश

कुमार मुकेश/हप  
हिसार, 6 दिसंबर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें कई देशों से आए विदेशी मेहमानों ने अपने हाथों में तिरंगा थामकर वसुधैव-कुटुम्बकम के नारे को पूरक करते हुए पूरा विश्व-एक परिवार का संदेश दिया। इस पर विवि कुलपति मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विदेशी मेहमानों का आभार जताया।

विश्वविद्यालय और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कथक, सूफी,

### एक-दूसरे की संस्कृति से हुए सबरु

सांस्कृतिक कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र कलाकार महावीर गुड्डु व उनकी टीम द्वारा शिव स्तुति पर नृत्य रहा, जिसके बाद उन्होंने किसानों की समृद्धि, सावन व फागुन ऋतुओं की विशेषताओं को डांस के जरिए पेश कर सभी से वाही-वाही लूटी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच का संचालन छात्र अंकित व संतोष ने किया। कलाकारों ने विदेशी मेहमानों को हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाब की संस्कृति, रहन-सहन, वेशभूषा से रूबरू करवाते हुए कई सांस्कृतिक गतिविधियों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। छात्र जतिन शर्मा ने गिटार बजाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम में डॉ. संघ्या शर्मा ने अपनी मधुर आवाज में लंबी जुदाई-यार दिलों का नामक गाना सुनाकर तालियां बटोरीं।

भंगड़ा, फॉक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा, जर्मनी से डॉ. डिटर एच. नुट्ज ओस्नाबुरक सहित

अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाबी गानों व नृत्यों का जमकर आनंद लिया। वैज्ञानिक खेत्रिका ने बॉलिवुड गानों पर थिरकर सभी का मन मोह लिया। छात्रा रौनक ने नैनो वाले छेड़ा मन का प्याला गाने के बोल पर नृत्य पेश कर समां बांध दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।



समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7-12-23	4	2-8

## हृदय में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न, प्रो. कॉम्बोज बोले- जलवायु परिवर्तन से निपटने को टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर हों

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में बुधवार को 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. व्रुट्ज ओस्नाब्रुक व जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो मौजूद रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए मृदा के ऑर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही फिलाना, क्लाइमेट स्मार्ट तकनीक जिसमें टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई, प्रिशिजन खेती, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, लेजर लेवलिंग, जीरो टिलेज व ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डॉ. डिटर एच. व्रुट्ज ओस्नाब्रुक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संशोधित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो ने सभी का अभिवादन किया। विवि के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. जीतराम शर्मा ने सभी का स्वागत किया। जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस्के पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंच संचालन डॉ. जयदेव ने किया।



मेहमानों को संस्कृति से रूबरू करवाया

हिसार | एचएयू के कृषि कॉलेज में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य न्यूट्री-2023 विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। एचएयू और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यातिथि के रूप में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कथक, सूफी, भंगड़ा, फोक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया।

### अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न प्रतियोगिताओं में ये रहे विजेता, जिन्हें समापन समारोह में दिया सम्मान

थीम-1 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- डॉ. रितु, सीसीएसएचएयू, हिसार; द्वितीय पुरस्कार- डॉ. गीतिका सहंदा, पीयू, पटियाला पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- सिमरन गुप्ता, दयाल बाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा; द्वितीय पुरस्कार- अदिति, सीसीएसएचएयू, हिसार  
थीम-2 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- डॉ. चित्रा भट्ट, सीसीएसएचएयू, हिसार; द्वितीय पुरस्कार- तुशाद्री सिंह, जीबी पंत यूनिवर्सिटी, पंतनगर व चारुलता, आईआईडब्ल्यूबीआर, शिमला पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार पीएयू, लुधियाना के शाइला बिन्दा व जतिन शर्मा; द्वितीय पुरस्कार- इशान मुखर्जी, सीसीएसएचएयू, हिसार व सधान देवनाथ, यूमीयम, मेघालय  
थीम-3 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- पुजा रावत, सीसीएसएचएयू, हिसार; द्वितीय पुरस्कार- स्वतंत्र कुमार दुबे, इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, वाराणसी ने प्राप्त किया पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- सुमंत्रा आर्य, सीसीएसएचएयू, हिसार; द्वितीय पुरस्कार- सारिता रानी, सीसीएसएचएयू, हिसार  
थीम-4 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- सौरभ सुमन, आईसीएआर, आईएआरआई, नई दिल्ली; द्वितीय पुरस्कार: दीपशिखा मंडल, आईसीएआर- आईएआरआई, नई दिल्ली

थीम-5 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- सीसीएसएचएयू, हिसार की डॉ. जतेश काठपालिया ने प्राप्त किया पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- एणीकल्चर एक्सटेंशन एजुकेशन, सीसीएसएचएयू, हिसार के अरुलमनिकंदन ने जबकि द्वितीय पुरस्कार एपेल एंड टेक्स्टाइल साइंस, सीसीएसएचएयू, हिसार की गुंजन ने प्राप्त किया  
थीम-6 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर से के सिद्धार्थ ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कोम्यूनिकेशन मैनेजमेंट, सीसीएसएचएयू, हिसार की वतिका श्रीवास्तव ने जबकि द्वितीय पुरस्कार दिल्ली टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, दिल्ली की अनीशा काठपालिया ने प्राप्त किया।  
थीम-7 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार पीएयू, लुधियाना के मनोज कुमार ने जबकि द्वितीय पुरस्कार सीसीएसएचएयू, हिसार के आशुतोष लोवांशी ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रस्तुति: आईसीएआर-एनआरसीई, हिसार की भव्या पहले जबकि जुलोजी विभाग, सीसीएसएचएयू, हिसार के राहुल कुमार दूसरे स्थान पर रहे।  
थीम-8 मौखिक प्रस्तुति: सीसीएसएचएयू, हिसार की रीना चौहान प्रथम जबकि सीसीएसएचएयू, हिसार की लोचन शर्मा व पीयू

सीसीएसएचएयू, हिसार के नविश कुमार कंबोज व पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ की सिमरन द्वितीय स्थान पर रही।  
थीम-9 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार एमपीयूएटी, उदयपुर के मोहित ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रस्तुति: सीसीएसएचएयू, हिसार के राम नरेश प्रथम जबकि भारत पटेल दूसरे स्थान पर रहे।  
थीम-10 मौखिक प्रस्तुति: इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रोल्डो देब प्रथम, आईआरआरआई, साउथ एशिया रीजनल सेंटर, वाराणसी के माले कुमार भौमिक व सीसीएसएचएयू, हिसार के जगदीप सिंह द्वितीय स्थान पर रहे।  
पोस्टर प्रस्तुति वाईएसपी यूएफए, सोलन की अमीशा रानी प्रथम व सीसीएसएचएयू, हिसार की शिखा महता दूसरे स्थान पर रही।  
थीम-11 मौखिक प्रस्तुति: सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा की अनीता कुमारी प्रथम, मोनाद यूनिवर्सिटी, यूपी की रीतू छिकरा दूसरे स्थान पर रही।  
पोस्टर प्रस्तुति: सीसीएसएचएयू, हिसार के अंकुश ने प्रथम जबकि पीएयू लुधियाना की अर्चना तिवारी दूसरे स्थान पर रही।  
थीम-12 मौखिक प्रस्तुति: सीसीएसएचएयू, हिसार की अनू रानी प्रथम जबकि प्रियंका ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रस्तुति: सीसीएसएचएयू, हिसार के मंजीत ने प्रथम जबकि



समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहें	7-12-23	2	3-8

# घटते कृषि उत्पादन के बीच कैसे मिलेगी वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा

● हकृवि में दुनियाभर से जुटे कृषि वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

सच कहें/संदीप सिंहमार

हिसार। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से बेमौसमी तापमान में बढ़ोतरी होती जा रही है, जिस कारण वैश्विक स्तर पर कृषि उत्पादन लगातार घटता जा रहा है। यदि यही स्थिति रही तो निकट भविष्य में वैश्विक खाद्य पोषण सुरक्षा पर सवालिया निशान लग जाएगा। इस दिशा में जहां वैश्विक स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों को नई तकनीक खोजनी होगी वही मौसम विभाग के साथ भी तालमेल बैठाना होगा।

यह निष्कर्ष चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय



पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन उभर कर सामने आया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया भर के कृषि वैज्ञानिकों ने एकत्रित होकर वैश्विक खाद्य पोषण विशेष संबंध जहां अपने शोध पत्र प्रस्तुत किया वहीं भविष्य के खाद्य संकट पर भी खुलकर चर्चा की। समापन समारोह में हकृवि के कुलपति प्रो.

बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाब्रुक व जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो मौजूद रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय

तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है।

मृदा के ऑर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना होगा

भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए मृदा के ऑर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही मिलाना, क्लाइमेट स्मार्ट तकनीक जिसमें टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई, प्रिंशिजन खेती, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, लेजर लेवलिंग, जीरो टिलेज व ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि खाद्य सुरक्षा में न केवल भोजन की उपलब्धता शामिल है बल्कि इसकी पोषण गुणवत्ता भी शामिल है। मृदा स्वास्थ्य, इनपुट उपयोग दक्षता, जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए उत्पादन तकनीक, जल संसाधन प्रबंधन, जैविक कीट और रोग प्रबंधन, फसल मॉडलिंग, रिमोट के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए संसाधन बाधाओं के तहत फसल और खेती प्रणाली के विकास पर ध्यान देने के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और सही उपयोग करके गुणवत्ता से परिपूर्ण खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं।

एकीकृत कृषि पर भी देना होगा ध्यान

जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाब्रुक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय बताए व फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच इंडू	7-12-23	5	2-5

## हरियाणवी संस्कृति पर झूमे विदेशी मेहमान..

■ हरियाणवी संस्कृति कार्यक्रम में मेहमानों ने कहा वॉव हरियाणवी कल्चर

हिसार(सच कहूँ/संदीप सिंहमार)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की अंतिम दिन विदेशी मेहमानों के लिए ठेठ हरियाणवी अंदाज में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कलाकारों ने जब हरियाणवी लोकगीतों पर दामण व धोती पहनकर नाच दिखाया तो विदेशी मेहमानों ने कहा-वॉव हरियाणवी कल्चर। विश्वविद्यालय और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. बी.आर.



काम्बोज रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कत्थक, सूफी, भंगड़ा, फॉक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास

ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने जमकर आनंद लिया। छात्रा रौनक ने नैनो वाले छेड़ा मन का प्याला गाने के बोल पर नृत्य पेश कर समां बांध दिया। छात्र जतिन शर्मा ने गिटार बजाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। डॉ. संध्या शर्मा ने अपनी मधुर आवाज में लंबी जुदाई-यार दिलों का नामक गाना सुनाकर तालियां बंदोरी।

तिरंगा लहराकर दिया वसुधैव कुटुम्बकम् का नारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों ने हाथों में तिरंगा थामकर वसुधैव-कुटुम्बकम् के नारे को पूरक करते हुए पूरा विश्व-एक परिवार का संदेश दिया, जोकि मुख्य आकर्षण का केंद्र बना। इस अवसर पर विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद, वैज्ञानिक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अज्ञात समाचार	7-12-23	5	6-8

## अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : हृकृवि में विदेशी मेहमानों ने तिरंगा लहराकर दिया वसुधैव कुटुम्बकम का नारा

हिसार, 6 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूटी-2023) विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कथक, सूफी, भंगड़ा, फॉक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार



हृकृवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित विदेशी मेहमान व कलाकार तिरंगा लहराते हुए।

के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा, जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाब्रुक सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाबी गानों व नृत्यों का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में देश व विदेश के संस्थानों से आए मेहमानों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देकर

शपथ दिलाई गई, जिसके बाद खेत्रिका ने बॉलिवुड गानों पर थिरकर सभी का मन मोह लिया।

विदेशी मेहमानों ने हाथों में तिरंगा थाम दिया वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश

हृकृवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों ने हाथों में

तिरंगा थामकर वसुधैव-कुटुम्बकम के नारे को पूरक करते हुए पूरा विश्व-एक परिवार का संदेश दिया, जो कि मुख्य आकर्षण का केंद्र बना। इस बेहतरीन प्रस्तुति पर मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विदेशी मेहमानों का आभार जताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच का संचालन छात्र अंकित व संतोष ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद, वैज्ञानिक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्ज्वल समाचार	7-12-23	5	3-5

## वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा के माध्यम से मिलेगी प्रफुल्लता, समानता व समग्र स्वास्थ्य लाभ : प्रो. बी.आर. काम्बोज

### हकृति में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

हिसार, 6 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में आज 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. न्रुट्ज ओस्नाब्रुक व जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो मौजूद रहें। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर.

काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए मृदा के ऑर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही मिलाना, क्लाइमेट स्मार्ट तकनीक जिसमें टपका



विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

सिंचाई, फव्वारा सिंचाई, प्रिशिजन खेती, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, लेजर लेवलिंग, जीरो टिलेज व ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा में न केवल भोजन की उपलब्धता शामिल है बल्कि इसकी पोषण गुणवत्ता भी शामिल है। मृदा स्वास्थ्य, इनपुट उपयोग दक्षता, जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए उत्पादन तकनीक, जल संसाधन प्रबंधन, जैविक कीट और रोग प्रबंधन, फसल मॉडलिंग, रिमोट के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए संसाधन बाधाओं के तहत फसल और खेती प्रणाली के विकास पर ध्यान देने के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और सही

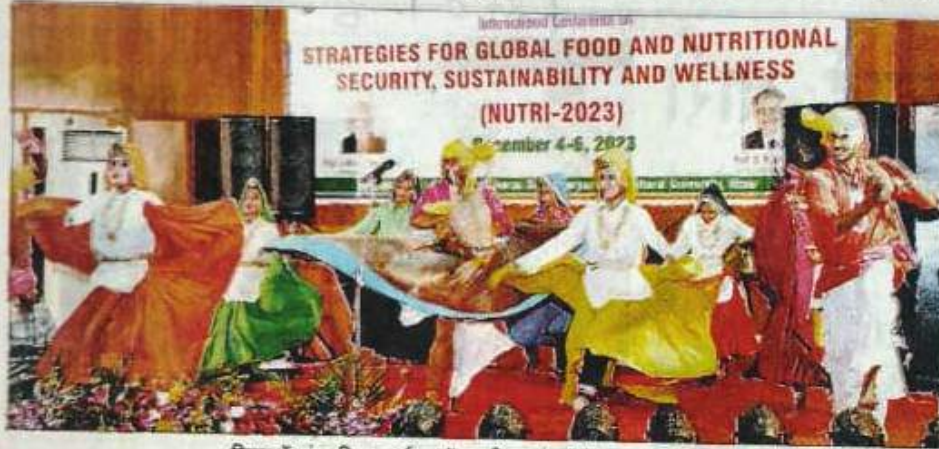
उपयोग करके गुणवत्ता से परिपूर्ण खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डॉ. डिटर एच. न्रुट्ज ओस्नाब्रुक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय बताए व फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. जीतराम शर्मा ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही मंच संचालन डॉ. जयंति टोकस ने किया। इस अवसर पर डॉ. आर.के. बहल, डॉ. साईदास, डॉ. देवकी नंदन, डॉ. अनिता भट्टनागर, डॉ. अनिता दूआ व डॉ. बी.के. शर्मा सहित देश-विदेश के संस्थानों से आए प्रख्यात वैज्ञानिक व शोधार्थी मौजूद रहें।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	7-12-23	4	1-6

## जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए टिकाऊ खेती जरूर एचएयू में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' पर आयोजित सम्मेलन का समा



हिसार में सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुतियां देते कलाकार। संवाद



हिसार एचएयू में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि प्रो. बीआर कोसहित विदेशी मेहमान व कलाकार तिरंगा लहराते हुए। संवाद

### संवाद न्यूज एजेंसी

### सम्मेलन में विजेताओं को किया गया सम्मानित

हिसार। जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संवय, फसल विविधकरण, मीसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में बुधवार को 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कोसह ने बतौर मुख्य अतिथि कही।

डॉ. डिटर एच. त्रुटज ओसनाबुरक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, समाधान प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिवादन किया।

- **श्रीम-1 मौखिक प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- डॉ. रितु, सीसीएसएचएयू, द्वितीय पुरस्कार- डॉ. गोलिका सरहदी, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
- **पोस्टर प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- सिमान गुप्ता, दयाल बाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा, द्वितीय पुरस्कार- अदिती, सीसीएसएचएयू, हिसार
- **श्रीम-2 मौखिक प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- डॉ. चित्रा भट्ट, सीसीएसएचएयू, द्वितीय पुरस्कार- तुशारी सिंह, जीबी पी. यूनिवर्सिटी, पटना व चारुलता, आईआईडब्ल्यूसीआर, शिमला
- **पोस्टर प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- पीएच, लुधियाना के शाइला विंद्र व जतिन शर्मा, द्वितीय पुरस्कार- इशान मुखर्जी, सीसीएसएचएयू व सधान देवनाथ, यूसीयम, मेवालय
- **श्रीम-3 मौखिक प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- पूजा रावत, सीसीएसएचएयू, द्वितीय पुरस्कार- स्वतंत्र कुमार दुबे, इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, ताराणसी
- **पोस्टर प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- सुमंत्रा

- आर्ष, सीसीएसएचएयू, द्वितीय पुरस्कार- सरिता रानी, सीसीएसएचएयू
- **श्रीम-4 मौखिक प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- सौरभ सुमन, आईसीएआर, आईएआरआई, नई दिल्ली, द्वितीय पुरस्कार- दीपशिखा भंडल, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली
- **पोस्टर प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- पीएच, लुधियाना के तेजोविन, द्वितीय पुरस्कार केवीके पंचकला के राजेश लाटर।
- **श्रीम-5 मौखिक प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- सीसीएसएचएयू की डॉ. जतेश काटपालिया
- **पोस्टर प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- एयोकेल्वर एक्सपर्टेशन एजुकेशन, सीसीएसएचएयू के अरुलमनिक्ंदन ने जबकि द्वितीय पुरस्कार एपरेल एंड टेक्सटाइल साइंस, सीसीएसएचएयू, हिसार को गुंजन।
- **श्रीम-6 मौखिक प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर से के सिद्धार्थ।
- **पोस्टर प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- एक्सपर्टेशन

- एजुकेशन एंड कोम्युनिकेशन मैनेजमेंट, सीसीएसएचएयू, हिसार को वीनिका श्रीवास्तव ने जबकि द्वितीय पुरस्कार दिल्ली टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, दिल्ली को अनोशा काठपालिया।
- **श्रीम-7 मौखिक प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- पीएच, लुधियाना के मनोज कुमार ने जबकि द्वितीय पुरस्कार- सीसीएसएचएयू, हिसार के आशुतोष लोवारी।
- **पोस्टर प्रस्तुति :** आईसीएआर-एनआरसीई, हिसार को भव्या पहले जबकि द्वितीय पुरस्कार- कुलोजी बिभाग, सीसीएसएचएयू, हिसार के राहुल कुमार।
- **श्रीम-8 मौखिक प्रस्तुति :** सीसीएसएचएयू, हिसार की रीना चौहान प्रथम जबकि द्वितीय पुरस्कार- सीसीएसएचएयू, हिसार की लोचन शर्मा व पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला की गुर्विंद कौर।
- **पोस्टर प्रस्तुति :** पीएच लुधियाना की अरतीप कौर ने प्रथम, सीसीएसएचएयू, जबकि द्वितीय पुरस्कार- हिसार के नविश कुमार कंधोज व पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ की सिमरन
- **श्रीम-9 मौखिक प्रस्तुति :** प्रथम पुरस्कार- एम्पीयूटी, उदयपुर के मोहित।
- **पोस्टर प्रस्तुति :** सीसीएसएचएयू, हिसार के

- राम नरेश प्रथम जबकि दूसरे स्थान पर रंजित।
- **श्रीम-10 मौखिक प्रस्तुति :** इटने राइस रिसेच इंस्टीट्यूट के प्रोतिथ देव आईआरआईआई, साउथ एशिया रीजनल सेंटर, वरधमसी के माले कुमार मौखिक सीसीएसएचएयू, हिसार के जगदीप मि द्वितीय स्थान।
- **पोस्टर प्रस्तुति :** आईसीएसपी यूएचएफ, मोर अम्पोज रानी प्रथम व सीसीएसएचएयू, हिसार की शिरा नहात दूसरा स्थान।
- **श्रीम-11 मौखिक प्रस्तुति :** सेंट यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा की अनोला कु प्रथम जबकि मोनाद यूनिवर्सिटी, नूरी की विकारा दूसरा स्थान।
- **पोस्टर प्रस्तुति :** सीसीएसएचएयू, हिसार के अंकुश ने प्रथम जबकि पीएच लुधियाना की अर्चना तिवारी दूसरा स्थान।
- **श्रीम-12 मौखिक प्रस्तुति :** सीसीएसएचएयू, हिसार को अन्नू रानी प्र जबकि प्रियंका ने दूसरा स्थान।
- **पोस्टर प्रस्तुति :** सीसीएसएचएयू, हिसार के मंजोत ने प्रथम जबकि वाईएसपी यूएचएफ, सोलन को सिवानी टाकुर ने दु स्थान पाया।

### विदेशी मेहमानों ने तिरंगा लहराकर दिया वसुधैव कुटुम्बकम का नारा

एचएयू में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कलाकारों ने कल्पक, मुकी, भंगड़ा, फकि इंडियन डांस की प्रस्तुतियां देकर संस्कृति से रूबरू करवाया। मेहमानों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देकर शपथ दिलाई गई। खेविका ने बॉलिवुड गाने पर थिरकर सभी का मन मोह लिया। छात्र रौतक ने नैनी बाले छेड़ा मन का प्याला गाने के बोल पर नृत्य पेश कर सभी को भाव दिया। डॉ. संभा शर्मा ने अपनी धरूप आवाज में लकी बुद्ध-पार दिलों को नामक गाना सुनाकर तारिफें बंटोरी। आकर्षण का केंद्र कलाकार महावीर मुद्दू व उनकी टीम द्वारा शिव स्तुति पर नृत्य रहा। विदेशी मेहमानों ने तिरंगा लहराकर वसुधैव-कुटुम्बकम के नारे को पूरक करते हुए पूरा विभव-एक परिवार का संदेश दिया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब डेसरी	7-12-23	3	1-8

# ‘जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ रही कृषि में चुनौतियां’

वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा के माध्यम से मिलेगी प्रफुल्लता, समानता व समग्र स्वास्थ्य लाभ : प्रो. काम्बोज



अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न प्रयोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते

हिसार, 6 दिसम्बर (च्युरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में आज 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. ब्रुदज ओस्त्राब्रुक व जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो मौजूद रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, पीसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है।

» तापमान में असमय बढ़ौतरी भी प्रभावित कर रही कृषि उत्पादन  
» हकृषि में 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वर शक्ति को बनाए रखने के लिए मृदा के ऑर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही मिलाना, क्लाइमेट स्मार्ट तकनीक जिसमें टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई, प्रिजिजन खेती, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, लेजर लैंडलिंग, जीरो टिलेज व ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा में न केवल भोजन की उपलब्धता शामिल है, बल्कि इसकी पोषण गुणवत्ता भी शामिल है। मृदा स्वास्थ्य, इनपुट उपयोग दक्षता, जलवायु परिवर्तन को कम

करने के लिए उत्पादन तकनीक, जल संसाधन प्रबंधन, जैविक कंट्रोल और रोग प्रबंधन, फसल मॉडलिंग, रिमोट के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए संसाधन बाधाओं के तहत फसल और खेती प्रणाली के विकास पर ध्यान देने के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और सही उपयोग करके गुणवत्ता से परिपूर्ण खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डॉ. डिटर एच. ब्रुदज ओस्त्राब्रुक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने मिट्टी की उर्वर शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय बताए व फसल उत्पादन के लिए प्रेरित किया।

## इन विजेताओं को मिला सम्मान

- » थीम-1 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- डॉ. रिचु सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार; द्वितीय पुरस्कार- डॉ. गीतिका सरहदी, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला।  
पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- सिमरन गुप्ता, दयाल बाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, अमरा; द्वितीय पुरस्कार- अविती, सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार
- » थीम-2 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- डॉ. विन्ना जी भट्ट, सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार; द्वितीय पुरस्कार- तुशादरी सिंह, जीबी पंत यूनिवर्सिटी, पतनगर व वारु लता, आई.आई.डब्ल्यू.बी.आर., शिमला।
- » पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार पीएच. लुधियाना के शाइला किन्दा व जतिन शर्मा; द्वितीय पुरस्कार- इशान मुखर्जी, सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार व सदान देबनाथ, युमीयम, मेघालय।
- » थीम-3 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- पुजा रावत, सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार; द्वितीय पुरस्कार- स्वतंत्र कुमार दुबे, इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, वाराणसी ने प्राप्त किया।
- » पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- सुमन आर्य, सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार, द्वितीय पुरस्कार- सरिता रानी, सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार।
- » थीम-4 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार, द्वितीय पुरस्कार- नई दिल्ली; द्वितीय पुरस्कार- दीपशिखा मंडल, आई.सी.ए.आर.-आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली।
- » पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- पी.ए.यू. लुधियाना के तेजार्जन; जबकि द्वितीय पुरस्कार- कैवीक

- पंचकूला के राजेश लाठर।
- » थीम-5 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार की डॉ. जतेश काठपालिया ने प्राप्त किया।
- » पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- एकीकृत एक्सटेंशन एजुकेशन, सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार के अरुणमनिकंदन ने जबकि द्वितीय पुरस्कार एपरेल एंड टेक्सटाइल साइंस, सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार की गंजन ने प्राप्त किया।
- » थीम-6 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर से के सिद्धार्थ ने प्राप्त किया।
- » पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कॉम्युनिकेशन मैनेजमेंट, सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार की वरिष्ठा श्रीरामलक्ष्मी ने जबकि द्वितीय पुरस्कार दिल्ली टैक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, दिल्ली की अनीशा काठपालिया ने प्राप्त किया।
- » थीम-7 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार पीएच. लुधियाना के मनोज कुमार ने जबकि द्वितीय पुरस्कार सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार के आशुतोष लोवांशी ने प्राप्त किया।
- » पोस्टर प्रस्तुति: आई.सी.ए.आर.-एन.आर.सी.ई. हिसार की भव्या पहले जबकि जुलोजी विभाग, सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार के राहुल कुमार दूसरे स्थान पर रहे।
- » थीम-8 मौखिक प्रस्तुति: सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार की रीना चौहान प्रथम जबकि सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार की लोवन शर्मा व पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला की गुरविंदर कोर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

- » पोस्टर प्रस्तुति: पीएच. लुधियाना की अशदीप कोर ने प्रथम, सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार के नविश कुमार कंबोज व पंजाब यूनिवर्सिटी, लुडियाना की सिमरन द्वितीय स्थान पर रही।
- » थीम-9 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार एम.पी.यू.ए.टी. उदयपुर के मोहित ने प्राप्त किया।
- » पोस्टर प्रस्तुति: सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार के राम नरेश प्रथम जबकि भारत पटेल दूसरे स्थान पर रहे।
- » थीम-10 मौखिक प्रस्तुति: इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रोल्ड देव प्रथम, आई.आर.आर.आई. साऊथ एशिया रीजनल सेंटर, वाराणसी के माले कुमार भौमिक व सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार के जगदीप सिंह द्वितीय स्थान पर रहे।
- » पोस्टर प्रस्तुति: आई.एस.पी. यू.एच.एफ. सोलन की अमीशा रानी प्रथम व सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार की शिखा महता दूसरे स्थान पर रही।
- » थीम-11 मौखिक प्रस्तुति: सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा की अनीता कुमारी प्रथम जबकि मोनाद यूनिवर्सिटी, यूपी की रीतु छिकारा दूसरे स्थान पर रही।
- » पोस्टर प्रस्तुति: सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार के अंकुश ने प्रथम जबकि पी.ए.यू. लुधियाना की अर्चना तिवारी दूसरे स्थान पर रही।
- » थीम-12 मौखिक प्रस्तुति: सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार की अन्नु रानी प्रथम जबकि प्रियंका ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- » पोस्टर प्रस्तुति: सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार के मंजीत ने प्रथम जबकि आई.एस.पी. यू.एच.एफ. सोलन की शिवानी टाकुर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	06.12.2023	--	--

## 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा के माध्यम से मिलेगी प्रफुल्लता, समानता व समग्र स्वास्थ्य लाभ : प्रो. बी.आर. काम्बोज हकृवि में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

**हिसार ( चिराग टाइम्स )**  
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में आज 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. गुरज और आल्फ्रेड व जापान से डॉ. टाकुरो शिगानो भी वरिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।



है, जिसमें निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रणनीति विकसित करना, मिट्टी की जमी का संरक्षण, जल संचयन, फसल विविधिकरण, वीथियल का सही प्रबंधन, रिकार्ड फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भूमि की जमीन को बनाए रखने के लिए

पृथक जैविक कार्बन को बढ़ावा, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही मिटाया, अल्ट्रासेट स्मॉल तकनीक विषयों तक मिर्चाई, फसल विविधिकरण, अल्ट्रासेट स्मॉल इटेिलिजेंस का उपयोग, लोअर लेबिलिंग, जोरो डिजेन व डीन का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा में

जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए उत्पादन तकनीक, जल संचयन प्रबंधन, जैविक कीट और रोग प्रबंधन, फसल विविधिकरण, रिमोट के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए संसाधन बाधाओं के जल कमी और खेती प्रणाली के विकास पर ध्यान देने के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और सही उपयोग करके गुणवत्ता से परिपूर्ण खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डॉ. डिटर एच. गुरज और आल्फ्रेड व जापान से डॉ. टाकुरो शिगानो ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए

संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाया होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिगानो ने इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने मिट्टी की जमीन शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न उत्पाद बनाए व फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए संरक्षित कृषि तकनीक प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

हिसार की शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित सम्मेलन पर रही। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. जीताम शर्मा ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने अध्यक्षता प्रस्ताव प्रस्तुत किया। अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश मेरा ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही संचयन सचिव डॉ. जयदीप शोका ने कहा। इस अवसर पर डॉ. आर.के. बहाल, डॉ. साईराज, डॉ. देवकी नंदन, डॉ. अजिता भट्टाचार, डॉ. अजिता दूबे व डॉ. बी.के. शर्मा सहित देश-विदेश के संस्थानों से आए प्रख्यात वैज्ञानिक व शोधार्थी भी वरिष्ठ अतिथि रहे।



समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	7-12-23	3	2-8

# जलवायु परिवर्तन से निपटने को दें टिकाऊ खेती को बढ़ावा

हृदय में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. वीआर काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिंसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वीआर काम्बोज रहे, विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डा. डिटर एच. नूटज ओस्नाब्रुक व जापान से डा. टाकुरो शिनानो मौजूद रहे।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए मृदा के आर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही मिलाना, क्लाइमेट स्मार्ट तकनीक जिसमें टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई, प्रिशिजन खेती, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, लेजर लेवलिंग, जीरो टिलेज व ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा में न केवल भोजन की उपलब्धता शामिल है बल्कि इसकी पोषण गुणवत्ता भी शामिल है। मृदा स्वास्थ्य, इनपुट उपयोग दक्षता, जलवायु परिवर्तन को कम करने

## इन विजेताओं को दिया सम्मान

- बीम-1** मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- डा. रितु सीसीएसएचएयू हिंसार, द्वितीय पुरस्कार डा. गीतिका सरहंदी पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला
- पोस्टर प्रस्तुति**: प्रथम पुरस्कार- सिमरन गुप्ता दयाल बाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट आगरा, द्वितीय पुरस्कार अदिति सीसीएसएचएयू हिंसार
- बीम-2** मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार डा. विक्का भट्ट, सीसीएसएचएयू हिंसार, द्वितीय पुरस्कार तुशादरी सिंह जीबी पंत यूनिवर्सिटी फतनगर व चारुलता आइआइडब्ल्यूबीआर शिमला
- पोस्टर प्रस्तुति**: प्रथम पुरस्कार पीएयू लुधियाना के शाइला बिन्दा व जतिन शर्मा, द्वितीय पुरस्कार इशान मुखर्जी सीसीएसएचएयू हिंसार व सधान देवनाथ यूएमएम मेघालय
- बीम-3** मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार पूजा रावत सीसीएसएचएयू हिंसार, द्वितीय पुरस्कार स्वतंत्र कुमार दुबे इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट वाराणसी ने प्राप्त किया
- पोस्टर प्रस्तुति**: प्रथम पुरस्कार सुभंज आर्य सीसीएसएचएयू हिंसार, द्वितीय पुरस्कार सरिता रानी सीसीएसएचएयू हिंसार
- बीम-4** मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार सौरभ सुमन आइसीएआर



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. वीआर काम्बोज।

- जागरण आइएआरआइ नई दिल्ली, द्वितीय पुरस्कार दीपशिखा मंडल आइसीएआर-आइएआरआइ नई दिल्ली
- पोस्टर प्रस्तुति**: प्रथम पुरस्कार पीएयू लुधियाना के तेजजिन, जबकि द्वितीय पुरस्कार केवीके पंचकुला के राजेश लाठर
- बीम-5** मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार सीसीएसएचएयू हिंसार की डा. जतेश काठपालिया ने प्राप्त किया
- पोस्टर प्रस्तुति**: प्रथम पुरस्कार एम्रीकल्वर एक्सटेशन एजुकेशन सीसीएसएचएयू हिंसार के अरुणमनिकंदन ने जबकि द्वितीय पुरस्कार एपरेल एंड टेक्सटाइल साइंस सीसीएसएचएयू हिंसार की
- गुंजन ने प्राप्त किया
- बीम-6** मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार यूनिवर्सिटी आफ राजस्थान अजमेर से के सिद्धार्थ ने प्राप्त किया।
- पोस्टर प्रस्तुति**: प्रथम पुरस्कार एक्सटेशन एजुकेशन एंड कोम्यूनिकेशन मैनेजमेंट सीसीएसएचएयू हिंसार की धर्तिका श्रीवास्तव ने जबकि द्वितीय पुरस्कार दिल्ली टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी दिल्ली की अनीशा काठपालिया ने प्राप्त किया।
- बीम-7** मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार पीएयू लुधियाना के मनोज कुमार ने जबकि द्वितीय पुरस्कार सीसीएसएचएयू हिंसार के आशुतोष लोवारी ने प्राप्त किया।
- पोस्टर प्रस्तुति**: आइसीएआर-



तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर उपस्थित शिक्षाविद व विद्यार्थी।

- जागरण एनआरसीई हिंसार की भव्या पहले जबकि जुलोजी विभाग, सीसीएसएचएयू हिंसार के रहल कुमार दूसरे स्थान पर रहे।
- बीम-8** मौखिक प्रस्तुति: सीसीएसएचएयू हिंसार की रीना चौहान प्रथम जबकि सीसीएसएचएयू हिंसार की लोचन शर्मा व पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला की गुरविंद कौर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- पोस्टर प्रस्तुति**: पीएयू लुधियाना की अशदीप कौर ने प्रथम, सीसीएसएचएयू हिंसार के नविश कुमार कंबोज व पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ की सिमरन द्वितीय स्थान पर रही।
- बीम-9** मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार एमपीयूएटी उदयपुर के मोहित ने प्राप्त किया।
- पोस्टर प्रस्तुति**: सीसीएसएचएयू हिंसार के राम नरेश प्रथम जबकि भारत फटेल दूसरे स्थान पर रहे।
- बीम-10** मौखिक प्रस्तुति: इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रोलाय देब प्रथम, आइएआरआरआइ साउथ एशिया रीजनल सेंटर वाराणसी के माले कुमार भूमिक व सीसीएसएचएयू हिंसार के जगदीप सिंह द्वितीय स्थान पर रहे।
- पोस्टर प्रस्तुति**: वाइएसपी यूएचएफ, सोलन की अमीशा रानी प्रथम व सीसीएसएचएयू हिंसार की शिखा महता दूसरे स्थान पर रही।
- बीम-11** मौखिक प्रस्तुति: सेंटल
- यूनिवर्सिटी आफ हरियाणा की अनीता कुमारी प्रथम जबकि मोनाद यूनिवर्सिटी, सूपी की रीतु छिकारा दूसरे स्थान पर रही।
- पोस्टर प्रस्तुति**: सीसीएसएचएयू हिंसार के अंकुश ने प्रथम जबकि पीएयू लुधियाना की अर्चना तिवारी दूसरे स्थान पर रही।
- बीम-12** मौखिक प्रस्तुति: सीसीएसएचएयू हिंसार की अन्नू रानी प्रथम जबकि प्रियंका ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- पोस्टर प्रस्तुति**: सीसीएसएचएयू हिंसार के मजीत ने प्रथम जबकि वाइएसपी यूएचएफ, सोलन की शिखारी ठाकुर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

के लिए उत्पादन तकनीक, जल संसाधन प्रबंधन, रिमोट के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए फसल और खेती प्रणाली के विकास पर ध्यान देने के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और सही

उपयोग करके गुणवत्ता से परिपूर्ण खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। जर्मनी से डा. डिटर एच. नूटज ओस्नाब्रुक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़

रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डा. टाकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी

जताकर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने मिट्टी को उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय बताए व फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डा. जीतराम शर्मा ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा, अतिरिक्त

अनुसंधान निदेशक डा. राजेश गेरा, मंत्र संचालन डा. जयंती टोकस, डा. आरके बहल, डा. साईदास, डा. देवकी नंदन, डा. अनिता भटनागर, डा. अनिता व डा. बीके शर्मा आदि मौजूद रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	06.12.2023	--	--

## हकृवि में विदेशी मेहमानों ने तिरंगा लहराकर दिया वसुधैव कुटुम्बकम् का नारा



( चिराग टाइम्स न्यूज )

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (जुलाई-2023) विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय और हरियाणा कलह परिषद हिसार संतल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुद्रागतिकि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काट्योब रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कलह परिषद के कलाकारों ने कलाक, सूफी भंगड़ा, लोक इंडियन डांस को बेहतरीन प्रस्तुतियाँ देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को सुबक करवाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आदिभोसो नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिबेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कार्पोरेटा, जर्मनी से डॉ. हिटर एच. बुट्टर ओकल्यूक सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने हरियाणा की, राजस्थानी व पंजाबी गानों व नृत्यों का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम की तुरुआत में देश व विदेश के संस्थानों से आए मेहमानों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों को पर्यवगत संरक्षण का संदेश देकर शुभक दिलाई गई, जिसके बाद खोजिका ने बोलतबुद्ध गानों पर

भिरकर सभी का मन मोह लिया। छात्रा टीनक ने नैरो वाले छेकल मन का प्यला गाने के बोल पर नृत्य पेश कर सभी को धोया दिया। इसके बाद कलाकारों ने विदेशी मेहमानों को हरियाणा की, राजस्थानी व पंजाब की संस्कृति, रहन-सहन, वेशभूषा से सुबक करवाते हुए कई सांस्कृतिक शोधार्थियों की सुंदर प्रस्तुतियाँ दीं। छात्र जतिन शर्मा ने गिटार बजाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम में डॉ. सोध्या शर्मा ने अपनी मधुर आवाज में लंबी जुलाई-या दिलों का शुभक गान सुनकर शोधार्थी खंडीरी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र कलाकार महावीर गुपु व उनकी टीम द्वारा शिव स्तुति पर नृत्य रहा, जिसके बाद उन्होंने किसानों की समृद्धि, सफल व फलान श्रुतियों को विशेषताओं को छात्र के जरिए पेश कर सभी से खाली-खाली लुटी। हकृवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों ने हकृवि में तिरंगा धारण कर वसुधैव-कुटुम्बकम् के नारे को पूरा करते हुए पूरा विश्व-एक परिवार का संदेश दिया, जोकि मुक्त आकर्षण का केंद्र बना। इस बेहतरीन प्रस्तुति पर मुद्रागतिकि प्रो. बी.आर. काट्योब ने विदेशी मेहमानों का अभिवा जताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंग का संचालन छात्र अधिकत व संतोष ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	06.12.2023	--	--

## वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा के माध्यम से मिलेगी प्रफुल्लता, समानता व समग्र स्वास्थ्य लाभ : प्रो. बी.आर. काम्बोज



सिटी पल्स न्यूज, हिंसा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में आज 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए लक्ष्य' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलाधि प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. डूरन ओल्डबुर्ग व जापान से डॉ. टाकुरो निन्को मोरुटे प्रमुख अतिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की और अद्यतन लेना होगा। अद्यतन तकमान का

अहम कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटारे के लिए जलवायु के अनुकूल योग-कौशल विद्यार्थी उत्कृष्ट कर्मचारी, शिक्षकों को नए का संशोधन, जल संचयन, फसल विकसितकर्म, पोषण का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाते की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डॉ. डिटर एच. डूरन ओल्डबुर्ग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटारे के लिए संशोधन कृषि, संशोधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाता होगा। जापान से डॉ. टाकुरो निन्को ने इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिनंदन किया।

### विभिन्न पदव्योचितताओं में रहे विजेताओं को दिया सम्मान

श्रीम-1 वैश्विक प्रकृति : प्रथम पुरस्कार डॉ. दिगु, सीसीएसएएयू, हिसार, द्वितीय पुरस्कार- डॉ. नीतिश सरस्वी, पंजाबी युनिवर्सिटी, पटियाला । पोस्टर प्रकृति- प्रथम पुरस्कार- शिवाजी गुज, दयाल बन एग्रीकल्चरल इंस्टीट्यूट, अमरा, द्वितीय पुरस्कार- अश्विनी, सीसीएसएएयू, हिसार । श्रीम-2 वैश्विक प्रकृति : प्रथम पुरस्कार- डॉ. विमल ने भू, सीसीएसएएयू, हिसार, द्वितीय पुरस्कार- गुणवती शिर, जेपी पी। युनिवर्सिटी, पंजाब व वास्कोल, आईआईएलसीआईए, सिमला । पोस्टर प्रकृति : प्रथम पुरस्कार- वैश्व, सुविद्या के राहुल किट्टस नतिन शर्म, द्वितीय पुरस्कार- ज्ञान कुडनी, सीसीएसएएयू, हिसार व लाल केलाव, सुनील, मोहनल। श्रीम-3 वैश्विक प्रकृति : प्रथम पुरस्कार- पून कवच, सीसीएसएएयू, हिसार, द्वितीय पुरस्कार- रवीश कुमार दुबे, इंटरनेशनल वडल रिजर्न इंस्टीट्यूट, कलकत्ता में प्राप्त किया । पोस्टर प्रकृति : प्रथम पुरस्कार- सुभा आर्, सीसीएसएएयू, हिसार, द्वितीय पुरस्कार- रतिता शर्मा, सीसीएसएएयू, हिसार । श्रीम-4 वैश्विक प्रकृति : प्रथम पुरस्कार- सीमा सुमान, आईआईए, आईआईएआई, आईआईसी, द्वितीय पुरस्कार- दीपशिखा लाल, आईआईए- आईआईएआई, आईआईसी पोस्टर प्रकृति : प्रथम पुरस्कार- वैश्व, सुविद्या के वैश्विक, जबकि द्वितीय पुरस्कार- वैश्विक पोस्टर के राहुल लाल श्रीम-5 वैश्विक प्रकृति : प्रथम पुरस्कार- सीसीएसएएयू, हिसार की डॉ. जयल काठारिया ने प्राप्त किया पोस्टर प्रकृति : प्रथम पुरस्कार- एबीएलए एकादमी लखनऊ, सीसीएसएएयू, हिसार के अरुणजीवदेव ने जबकि द्वितीय पुरस्कार एबीएल एड टेक्नोलॉजी संस्थान, सीसीएसएएयू, हिसार की सुभा ने प्राप्त किया श्रीम-6 वैश्विक प्रकृति : प्रथम पुरस्कार- सुविद्या और वनस्पत, जगतेश शी के सिद्धार्थ ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रकृति : प्रथम पुरस्कार- एकादमी लखनऊ एड कोल्डिगेशनल फिजियोलॉजी, सीसीएसएएयू, हिसार की वैश्विक प्रोफेसर ने जबकि द्वितीय पुरस्कार टीडी टेकोलीनी युनिवर्सिटी, टिंडी कोडोलीना सततधरिया ने प्राप्त किया। श्रीम-7 वैश्विक प्रकृति : प्रथम पुरस्कार- वैश्व, सुविद्या के मनोज कुमार ने जबकि द्वितीय पुरस्कार- सीसीएसएएयू, हिसार के अश्विनी लोकाड़ी ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रकृति : आईआईए-आईआईएआई, हिसार की अश्विनी जबकि कुलीनी विद्या, सीसीएसएएयू, हिसार के राहुल कुमार दूसरे स्थान पर रहे। श्रीम-8 वैश्विक प्रकृति : सीसीएसएएयू, हिसार की रीत प्रोफेसर प्रथम जबकि सीसीएसएएयू, हिसार की ललित शर्मा व पंजाबी युनिवर्सिटी, पटियाला की सुविद्या कोर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रकृति : वैश्व सुविद्या की आईआईए कोर ने प्रथम, सीसीएसएएयू, हिसार के जयिशा कुमार तृतीय व पंजाब युनिवर्सिटी, पटियाला की शिवाजी द्वितीय स्थान पर रहे। श्रीम-9 वैश्विक प्रकृति : प्रथम पुरस्कार- एबीएलए, उदयपुर के मोहित ने प्राप्त किया पोस्टर प्रकृति : सीसीएसएएयू, हिसार के लाल शर्मा प्रथम जबकि लाला परेल दूसरे स्थान पर रहे श्रीम-10 वैश्विक प्रकृति : इंटरनेशनल वडल रिजर्न इंस्टीट्यूट के प्रेसीडेंट देव प्रथम, आईआईएआई, लखनऊ एबीएल केलाव एंड कलकत्ता के लाले कुमार तृतीय व सीसीएसएएयू, हिसार के जयदीप सिंह द्वितीय स्थान पर रहे पोस्टर प्रकृति- वैश्विक सुभा, मोहन की अश्विनी शर्मा प्रथम व सीसीएसएएयू, हिसार की शिवाजी महल दूसरे स्थान पर रहे श्रीम-11 वैश्विक प्रकृति- टैटल युनिवर्सिटी ऑफ हस्ब्रीज की अश्विनी कुमारी प्रथम जबकि मोनाद युनिवर्सिटी, सूर्य की तैतु शिवाजी दूसरे स्थान पर रहे। पोस्टर प्रकृति : सीसीएसएएयू, हिसार के अंशु ने प्रथम जबकि वैश्व सुविद्या की अश्विनी शर्मा दूसरे स्थान पर रहे श्रीम-12 वैश्विक प्रकृति- सीसीएसएएयू, हिसार की अंशु प्रथम जबकि प्रियंका ने दूसरे स्थान प्राप्त किया पोस्टर प्रकृति- सीसीएसएएयू, हिसार के जयदीप ने प्रथम जबकि आईआईए सुभा, मोहन की शिवाजी तृतीय ने दूसरे स्थान प्राप्त किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	06.12.2023	--	--

## अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश से आए विशेषज्ञों ने 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर प्रस्तुत किए शोध पत्र

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 6 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन विभिन्न विषयों पर तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें देश-विदेश के शोध संस्थानों से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों ने वैश्विक पोषण सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए खाद्य-पोषण, कृषि-व्यवस्थापन के लिए कृषि-उत्पादन और उद्योग संबंध, जलवायु परिवर्तन, संशोधित कृषि, टिकाऊ कृषि के लिए संसाधन प्रबंधन और एकीकृत खेती, फसल उत्पादन में जैविक और अजैविक तन्त्र प्रबंधन की विधियां, प्राकृतिक व जैविक खेती, कृषि उत्पादन बढ़ाने में सूक्ष्म जीवों का योगदान सहित अनेक विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। पहले सत्र का मुख्य विषय जलवायु परिवर्तन, संशोधित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन रहा, जिसमें जर्मनी से डॉ. डिटर एच. शुल्स और स्वीडिश वैश्विक जलवायु परिवर्तन विषय पर शोध पत्र



भी प्रस्तुत किया। साथ ही को-पेयरपर्सन जावोल से डॉ. प्रोसिआन्को पद्मिणी ने खेती में जल प्रणाली प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया। दूसरे सत्र में मॉडरिनिंग, स्टाइमूलेशन तथा विंग डाटा प्रबंधन विषय पर चेयरपीन मैक्सिमो से डॉ. मैक्सिमो मर्सीदीया ने कृषि खाद्य प्रणाली में टिकाऊपन के लिए डाटा प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। सह-चेयरपीन जावोल से डॉ. उकुवे शिनामो ने जावन की कृषि पर न्यूक्लियर शक्ति के प्रभाव पर मुख्य शोध प्रस्तुत किया। तीसरे सत्र में जिसमें तक आधुनिक तकनीकों को पशुपालन विषय के अंतर्गत चेयरपीन प्रंस के आईपीसीसी मेमेल प्रुकर के सह-विजेता प्रोफेसर आर्भर वी. रिडेलर ने अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर टिकाऊ फसल उत्पादन व समग्र विकास

विषय पर व्याख्यान दिया, जबकि सह-चेयरपीन उद्यमपुर से आर्. मलाम्य विजेन्द्र डॉ. बी.के. सर्मा रहे। डॉ. प्रोफेसर अटारी डॉ. परमिंदर स्पोराम ने खान की पकती प्रबंधन व डॉ. रामसिंह ने पोषण तन्त्र के फोल्ड स्तर पर खाद्य पदार्थों के रोगन के पैटर्न के बारे में चर्चा की।

तीसरे सत्र में अमेरिका की टेक्सास ए पीड एम यूनिवर्सिटी के संसय पैबो प्रोफेसर रॉबिओ वी. बजपोटा चेयरपीन की भूमिका निभाते हुए मशीनिकरण आधारित कृषि प्रणाली विषय पर रणनीतिक बतार्ड, जिसमें डॉ. मुकेश जैन ने सह-चेयरपीन की भूमिका निभाई। डॉ. सुरेंद्र ने वैश्वीयक इंजीनियरिंग विषय पर व डॉ. मन्दीव चंद ने हाईट्रोथेनिक पदार्थ विषय पर अपने व्याख्यान दिए। पांचवें सत्र में फसल

उत्पादन में जैविक व अजैविक तन्त्र प्रबंधन विषय के अंतर्गत पीलेट से डॉ. टमसो इतिमना ने एंजाइमेटिक हाइपरिटी विषय पर मुख्य शोध प्रस्तुत किया व चेयरपीन की भूमिका अदा की, जबकि फजालस्सन से डॉ. विक्टर बजमिन ने सह-चेयरपीन की भूमिका निभाई। छठे सत्र का विषय 'कृषि अभ्यवस्था के लिए कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण जीव, जलकृषि और पशुपालन' रहा, जिसकी अध्यक्षता विरव के डॉ. रोशन रुकटी ने की व जलवायु परिवर्तन और पशुपालन उत्पादन: प्रबंधन और अनुकूलन रणनीतियां विषय पर व्याख्यान दिया। सातवें सत्र में प्रंस से डॉ. योगेश्वर खारी ने 'खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संबंधी और कृषि व्यवस्था' विषय पर व्याख्यान दिया, साथ ही सत्र की अध्यक्षता की।

फजालस्सन से डॉ. विक्टर बजमिन ने 'अभ्यवस्था के लिए कोविड-19 के खिलाफ दवाओं के खोज के रूप में उपयोग' विषय पर मुख्य शोध प्रस्तुत किया। आठवें सत्र में आइसीआर, नई दिल्ली से आर्. डॉ. सेन दास ने 'वैश्विक पोषण सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए खेती' विषय पर अध्यक्षता कर अपने व्याख्यान दिया। नौवें सत्र में डेनमार्क से डॉ. आरमाद जहर ने फसल सुरक्षा के लिए पारंपरिक प्रबंधन, जीव प्रोडोमिन्स, जीव सूचक विज्ञान, अनुवांशिक इंजीनियरिंग, जिनेमिक्स, जीनेमिक्स और प्रोडोमिन्स विषय पर अध्यक्षता करते हुए अपने व्याख्यान दिया। दसवें सत्र में जावन से प्रोफेसर वी. लीमा ने 'स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक और जैविक खेती' विषय पर अपने व्याख्यान दिया।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सेटी पल्स न्यूज	06.12.2023	--	--

## अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : हकृवि में विदेशी मेहमानों ने तिरंगा लहराकर दिया वसुधैव कुटुम्बकम् का नारा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय और हरियाणा कला परिषद हिस्सार मंडल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने काथक, सुफ़ी, भंगड़ा, फॉक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियाँ देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर व अर्मेनिका की टेक्ससा ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कपारेडा, जर्मनी से डॉ. डिटर एच. यूटज ओखाबूक सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाबी



गानों व नृत्यों का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में देश व विदेश के संस्थानों से आए मेहमानों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देकर शपथ दिलाई गई, जिसके बाद खेरिका ने बॉलिवुड गानों पर थिरकर सभी का मन मोह लिया। छात्रा रैनक ने नैनी खले डेड़ मन का प्याला गाने के बेल पर नृत्य पेश कर समां बांध दिया। इसके बाद कलाकारों ने विदेशी मेहमानों को हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाब की संस्कृति, रहन-सहन, वेशभूषा से रूबरू करवाते हुए कई सांस्कृतिक रतिविधियों की सुंदर प्रस्तुतियाँ दी।

छत्र जतिन शर्मा ने गिटार बजाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम में डॉ. संध्या शर्मा ने अपनी मधुर आवाज में लंबी जुदाई-वार दिलों का नामक गाना सुनाकर तालियां बटोरी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र कलाकार महावीर गुहू व उनकी टीम द्वारा शिव स्तुति पर नृत्य रखा, जिसके बाद उन्होंने किसानों की सम्भूद्धि, साधन व फसल व्रतों की धरोपताओं को डांस के जरिए पेश कर सभी से वाही-वाही लूटी। विदेशी मेहमानों ने हाथों में तिरंगा धाम दिया वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश हकृवि में आयोजित सांस्कृतिक

कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों ने हाथों में तिरंगा धामकर वसुधैव-कुटुम्बकम् के नारे को पुरक करते हुए पूरा विश्व-एक परिवार का संदेश दिया, जोकि मुख्य आकर्षण का केंद्र बना। इस बेहतरीन प्रस्तुति पर मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विदेशी मेहमानों का आभार जताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच का संचालन छत्र अंकित व संतोष ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद, वैज्ञानिक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीन 5 मार्च 2	7-12-27	4	6-8

## सर्दकालीन मक्का, सरसों व गन्ने की फसलों को लेकर एडवाइजरी जारी सरसों में तना गलन रोग के बचाव के लिए कीटनाशक का करें छिड़काव

भास्कर न्यूज़ | हिसार

सरसों की फसल में तना गलन रोग का प्रकोप जिन इलाकों में हर साल होता है, वहां इसकी देखभाल जरूरी है। जिन क्षेत्रों में प्रकोप हर साल होता है, वहां बिजाई के 45 से 50 दिन बाद कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर से छिड़काव करें। तना गलन की रोकथाम के लिए दो छिड़काव करने की आवश्यकता है, दूसरा छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर करें।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि सरसों में बिजाई के 35-40 दिन बाद पहली सिंचाई करें तथा सिंचाई के साथ बची हुई यूरिया आधी मात्रा 35 किलोग्राम डालें। सिंचाई के दौरान हल्का पानी लगाएं और पानी को खड़ा न होने दें। जिन खेतों में पानी का ठहराव ज्यादा देर तक रहता है वहां पौधे मर जाते हैं।

हकूवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि गन्ने की बेहतर मोटी फसल उगाने के लिए कटाई जमीन की सतह के साथ करें। मोटी फसल की बेहतर वृद्धि सुनिश्चित

### मक्का को कीड़ों से बचाव को रेत व चूने का मिश्रण छिड़कें

- सर्दकालीन मक्के की फसल के दौरान मौसम के थोड़ा गर्म रहने पर इसमें कीड़ों का प्रकोप हो सकता है। इसलिए खेत का निरीक्षण लगातार करना चाहिए। गोध में यदि कीड़ों का आक्रमण है तो आवश्यकतानुसार रेत व चूने के मिश्रण को गोध में बुरकें।
- मक्के की फसल के घुटनों तक

होने पर यूरिया की दूसरी खुराक 15 किलोग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से डालें। यदि मक्का की फसल के साथ अंतर फसलें ली हैं तो खाद की सिफारिश अलग से फसल के अनुसार डालें। मक्का की फसल को ठंड व पाले से बचाने कि लिए सायंकाल में हल्की सिंचाई करें।

### गन्ने की इंटर क्रॉप के साथ लें कम अवधि की फसलें

गन्ने की इंटर क्रॉप लेते समय कम अवधि की किस्मों को उगाना चाहिए। अंतर फसल की सीधी व कम फैलने वाली किस्में, दोनों फसलों की अनुशासित खुराक व चयनात्मक शाकनाशी का प्रयोग करना चाहिए। अंतर फसलों की कटाई तक इनकी आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। गन्ने की फसल में 20 दिन के अंतराल के बाद सिंचाई करते रहें।

करने के लिए पौधे की फसल की कटाई के बाद मिट्टी की सतह पर ट्रेश मल्टच का प्रयोग करना चाहिए। बीज वाली फसल में 15 से 20 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें और यदि पानी की उपलब्धता कम हो तो दूसरे खूड में सिंचाई करें। तराई बेधक

कीट की रोकथाम हेतु गन्ने की फसल को गिरने से बचाएं व अच्छी प्रकार पत्तियों की बंधाई करें, पुरानी पत्तियों को उतार देना चाहिए। लाल सड़न रोग से ग्रस्त खेत का पानी दूसरे खेतों में न जाने दें, व लाल सड़न रोग से ग्रस्त खेत में मोटी की फसल न लें।